पर्यटन में स्नातक (Bachelor of Arts in Tourism)

पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण–

Year/वर्ष	Paper No./ पेपर नं0	Course Code/ पाठ्यक्रम कोड	Title of Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits /क्रेडिट	Compulsory/ Elective अनिवार्य / वैकल्पिक
Complusary Core Course/विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम					
प्रथम वर्ष	168	B.A. (Tourism)-01	Foundation Course in Tourism पर्यटन में आधार पाठ्यक्रम	8	अनिवार्य
	170	B.A. (Tourism)-03	Management in Tourism पर्यटन में प्रबन्धन	8	
	25003	B.A. (Tourism)-11	**हिन्दू धर्म के आध्यात्मिक केन्द्र** 1. चार धाम – पुरी, रामे"वरम, द्वारिका और बद्रीनाथ। 2. कुंभ मेला – इलाहाबाद, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन। 3. पुराणों के अनुसार प्राचीन पवित्र शहर – वाराणसी, का"ाी, इलाहाबाद–प्रयाग, हरिद्वार–ऋषिके"ा, मथुरा–वृन्दावन एवं अयोध्या। 4. वाराणसी–वि"व की सबसे प्राचीन ऐसा महानगर जो अभी भी उसी स्थल पर छठीं शताब्दी ईसा पूर्व से विद्यमान है। 5. मंदिरों के लिए प्रसिद्ध शहर – पुरी–जगन्नाथ मंदिर, रथ यात्रा कटरा – वैष्णो देवी मंदिर ि"ारडी – ि"ारडी के साईं बाबा सबरीमाल – स्वामी अययप्पा	8	
द्वितीय वर्ष	169	B.A. (Tourism)-02	Tourism Develop (46) roducts, Operation and Case Studies पर्यटन विकास : उत्पाद, संचालन और स्थिति अध्ययन	8	अनिवार्य
	171	B.A. (Tourism)-04	Indian Culture : Perspective for Tourism भारतीय संस्कृति : पर्यटन का परिदृश्य	8	
	25004	B.A. (Tourism)-12	**बौद्ध धर्म के धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल** 1. **आठ महान स्थल** – लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ, कु"ाीनगर, श्रावस्ती, राजगिरी, संकिसा, वै"ााली। 2. **प्रमुख स्थल** – पटना, गया, कौ"ाम्बी, कपिलवस्तु, देवादाहा, के"ारिया, पावा, नालन्दा, वाराणसी, सांची, मथुरा, एलोरा, अजंता, विक्रमि"ाला, रतनागिरी, उदयागिरी, ललितगिरी, भरहुत, बराबर गुहा।	8	

			3. **बौद्ध सर्किल – उत्तर प्रदे"ा के सन्दर्भ में** **जैन धर्म के धार्मिक आध्यात्मिक स्थल** हस्तिनापुर, बड़ागाँव (बागपत), वाराणसी, सारनाथ, गाजियाबाद, सहारनपुर, सरधना, अहिच्छत्र, मुरादाबाद, श्रावस्ती, कौ"ाम्बी, इलाहाबाद, बटे"वर, शोरीपुर, नांदेड़, पावापुरी, माउंटआबू।		
तृतीय वर्ष	172	B.A. (Tourism)-05	Ecology, Environment and Tourism पारिस्थितिकी, पर्यावरण एवं पर्यटन	8	अनिवार्य
	173	B.A. (Tourism)-06	Tourism Marketing पर्यटन विपणन	8	
	25005	B.A. (Tourism)-13	**सिख धर्म में धार्मिक आध्यात्मिक स्थल – उत्तर प्रदे"ा, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि। इस्लाम धर्म में धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल** अजमेर शरीफ, निजामुद्दीन, फतेहपुर सीकरी एवं अन्य सूफी सर्किल।	8	
Discipline Centric Elective Course/विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम					
	174 or 175 or 2773 or 2774	B.A. (Tourism)-07 or B.A. (Tourism)-08 or B.A. (Tourism)-09 or B.A. (Tourism)-10	Introduction to Buddhist Religion and Description of Main Budhist Pilgrimage Places. बौद्ध धर्म का परिचय एवं बौद्ध धर्म के मुख्य तीर्थ स्थानों का वर्णन अथवा Important Religious Place of Uttar Pradesh: Introduction, Importance and Description उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थानों का परिचय, महत्व और वर्णन अथवा Origin and Development of Tourism पर्यटन का उद्भव एवं विकास अथवा Cultural Tourism सांस्कृतिक पर्यटन	8 or 8 or 8 or 8	वैकल्पिक
Skill Based Open Elective Course/कौशल विकास कार्यक्रम (द्वितीय अथवा तृतीय वर्ष में)					
द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में	2674 or 2675 or 2676	B.A.S.T.-01 or B.A.S.T.-02 or B.A.S.T.-03	व्यवसायिक संगठन or भारत में समाज or समाज एवं धर्म	8 or 8 or 8	वैकल्पिक

बी.टी.एस. कार्यक्रम का उद्दे"य–

पर्यटन में स्नातक त्रिवर्षीय वार्षिक परीक्षा प्रणाली पर आधारित एक महत्वपूर्ण एवं रोजगारपरक कार्यक्रम है। इसका मूल उद्दे"य न केवल ि"ाक्षार्थियों को डिग्री प्रदान करना बल्कि उनमें रोजगार प्राप्ति हेतु एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का मार्गद"ार्न भी प्रदान करना है। इस कार्यक्रम से रोजगार के अनेक अवसर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध है जिनमें टूर आपरेटर, गाइड, ट्रेवेल एजेन्ट तथा क्यूरेटर आदि प्रमुख हैं। साथ ही ि"ाक्षार्थियों को भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को समझने एवं आत्मसात करने का अवसर मिलता है।

UGTS-01/BTS - 01
पर्यटन में आधार पाठ्यक्रम

पर्यटन परिघटना

पर्यटन को समझना–1:–पर्यटन परिघटना, पर्यटन क्या है, अवधारणाएँ, पर्यटन की परिभाषा, पर्यटन उत्पाद और सेवाएं, भ्रमण, पर्यटन स्थल, पर्यटन, स्वरूप और प्रकार, भविष्यगत प्रवृत्तियाँ।

पर्यटन को समझना–2–बदलती प्रवृत्ति, पर्यटन का उद्दे"य, वि"ोष रूचि, वैकल्पिक पर्यटन, अन्य निर्धारक (मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, समय)।

ऐतिहासिक उद्भव और विकास:– पर्यटन के इतिहास की आव"यकता, आंकड़ों के स्त्रोत (आंकड़ों के स्त्रोत, काल निर्धारण और अवधारणाएं), प्राचीन काल, आरंभिक साम्राज्य, रे"ाम मार्ग, तीर्थ यात्रा, शानदार यात्रा, आधुनिक पर्यटन में संक्रमण, भारत में आधुनिक पर्यटन।

पर्यटन उद्योग

पर्यटन व्यवस्था– अवधारणाएँ, मांग निर्धारित व्यवस्था, आपूर्ति संबंधी समस्याएँ, पर्यटन प्रभाव।

पर्यटन उद्योग के अवयव और पर्यटन संगठन:– पर्यटन उद्योग, अवयव, पर्यटन संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, भारत के सरकारी संगठन, भारत के निजी क्षेत्र संगठन।

पर्यटन नियमन– बाहरी अंदरूनी यात्रा नियमन, आर्थिक नियमन, स्वास्थ्य नियमन, कानून और व्यवस्था नियमन, आवासीय और भोजन संबंधी नियमन, पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण।

सांख्यिकी और माप– सांख्यिकी, परिभाषा और उपयोग, सांख्यिकी माप, पर्यटन सांख्यिकी की आव"यकता, माप की समस्याएं, माप की विधियाँ, वि"व पर्यटन आगमन और आमदनी, भारत में पर्यटन सांख्यिकी, विदे"ाी मुद्रा आय का प्राक्कलन।

परिवहन साधन– परिवहन साधनों का विकास, सड़क परिवहन, रेल परिवहन, जल परिवहन, वायु परिवहन, पर्यटन में परिवहन की भूमिका, राष्ट्रीय परिवहन नीति की ओर।

पर्यटक आवास व्यवस्था– विभिन्न प्रकार की आवास व्यवस्था, कुछ महत्वपूर्ण आयाम (विपणन, अन्य आयामः संचालन संबंधी), पर्यटन आवास का उपयोग करने वाले पर्यटक, सूचना प्राप्ति, कैंप आवास का एक प्रस्ताव।

पर्यटन की अनौपचारिक सेवाएँ:– अनौपचारिक क्षेत्र के आयाम, पटरियों पर बैठे स्मारिका विक्रेता, स्ट्रीट गाइडः कार्य, प्रभाव तथा नियंत्रित करने का तरीका।

सहायक सेवाएँ : विभिन्न प्रकार और उनकी सेवाएँ:– आम सेवाएः– आम सेवाएँ (स्थानीय परिवहन, खान-पान स्पाट और बार, मनोरंजन और मनोविनोद, टूरिस्ट पुलिस, संचार व्यवस्था, किताब की दुकान और पुस्तकालय, फोटोग्राफी), पर्यटक स्थल संबंधी वि"िाष्ट सेवाएं, विविध आव"यकताओं की पूर्ति, रोजगार का तर्क।

दुकानें, इम्पोरियम और मेला:– ग्रामीण और लघु शहर हाट, मौसमी और उत्सव मेला, इम्पोरियम, निजी दुकाने, बुटीक और सहकारी विक्रय केन्द्र, स्थानीय स्तर पर विपणन संगठन, कारीगर और ि"ाल्पी, दिल्ली हाट।

पर्यटन सेवा और परिसंचालन–2

ट्रैवेल एजेंसीः– ट्रैवेल एंजेसी, संचालन (टिकट उपलब्ध कराना, आरक्षण और रद्द कराना, वि"ोष सेवाएँ, यात्रा को सुगम बनाना, अतिरिक्त उत्तरदायित्व।

टूर आपरेटरः– टूर आपरेटर और उसके कार्य, मुख्य साझीदार (होटल/आवासीय उद्योग, परिवहन उद्योग), बनी बनाई यात्रा योजना, यात्रा की लगात, बिकने वाला माल, पर्यटक परिवहन सेचालन।

गाइड और यात्रा मार्ग निर्दे"ाकः– गाइडों और यात्रा मार्ग निर्दे"ाकों की परिभाषा, गाइड की भूमिका, गाइडिंग एक तकनीक, यात्रा का मार्गनिर्दे"ान।

पर्यटन सूचना : विभिन्न स्त्रोतः– सूचना का महत्व, सूचना के स्रोत सरकारी एजेंसियाँ, सूचना के स्रोत निजी एजेंसियाँ, सूचना के स्रोत संचार माध्यम।

भूगोल और पर्यटन

भारत की जैविक विविधता : प्राकृतिक दृ"य (लैंडस्केप), पर्यावरण और परिस्थितिकीः– भारत का भूगोल, भारत की पारिस्थितिकी, पर्यावरण संबंधी खतरे।

पर्यटक मौसम और स्थलः– मौसम और जलवायु, पर्यटन में मौसमीयता, पर्व का मौसम, पर्यटक मौसम का आकलन, स्थल प्रबंधन, विपणन और रोजगार, स्थल।

नक"ाा और चार्टः– नक"ाा और चार्ट- प्रासंगिकता, नक"ो का इतिहास, नक"ो के प्रकार, नक"ो की भाषा और शब्दावली, नक"ाा कैसे पढ़ें चार्ट के प्रकार, कुछ उपयोगी नक"ो और चार्ट।

पर्यटन विपणन और संचार

पर्यटन विपणनः– प्रासंगिकता उत्पादन, स्वरूप, बाजार अनुसंधान। विपण्न क्या है, विपणन तत्व, बाजार का विभाजन और लक्ष्य, पर्यटन में उत्पाद, गुण और रूप, उत्पाद डिजाइन, उत्पादन का प्रस्तुतीकरण, बाजार अनुसंधान।

पर्यटन विपणन-2ः– प्रोत्साहन आयोजन, विज्ञापन प्रसार, विक्रय। प्रचारात्मक आयोजन, विज्ञापन, प्रचार, जन संपर्क, व्यक्तिगत बिक्री, व्यापार।

संचार माध्यमों की भूमिकाः– संचार माध्यमः अर्थ और प्रकार, संचार माध्यम की शब्दावली, संचार माध्यमों की विभिन्नता, संचार माध्यम और अनुसंधान, संचार माध्यम की छवि, संचार माध्यमों की लागत, संचार माध्यम नियोजन।

पर्यटन के लिए लेखनः– यात्रा लेखन : कल और आज, पूर्व अपेक्षा : उपकरण और गुण तथा उद्दे"य, पर्यटन के लिए लेखन कोटियाँ।

व्यक्तिगत विकास और संवाद क्षमताः– व्यक्तिगत विकास : बाह्यरूप और व्यवहार, स्वच्छता, आदतें और चुस्ती, संवाद क्षमता, सुनना और बोलना, आवाज, टेलीविजन पर बातचीत, मूक संवाद।

पर्यटन : सांस्कृतिक विरासत

इतिहास का उपयोगः– पर्यटन उत्पादन के रू" में इतिहास, मिथक, किंवदंतियों और इतिहास, पर्यटन में इतिहास का उपयोग।

स्मारक और संग्रहालयः– प्राचीन काल (हड़प्पा स्थल, स्तूप, मंदिर), स्मारक काल, नए रूप, शैलीगत विकास, सार्वजनिक भवन, संग्रहालय (भारतीय संग्रहालयों का इतिहास, संग्रहालयों के प्रकार)।

जीवित संस्कृति और प्रद''र्शनात्मक कलाएँ– जीवित संस्कृति क्या है। (भारत का सांस्कृतिक जीवन, हस्त ''िल्प, वस्त्र निर्माण), आनुष्ठानिक कलाएं, प्रद''र्शनात्मक कलाएं, (परिभाषा, नृत्य, संगीत, रंगमंच)।

भारत के धर्म– भारत की धार्मिक, विविधता, हिन्दू धर्म, इस्लाम धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, ईसाई धर्म, सिक्ख धर्म।

पर्यटन : नियोजन और नीति

पर्यटन नीति और नियोजन– पर्यटन नीति और नियोजन की आव''यकता, 1982 ई. में पर्यटन नीति की शुरूआत, पर्यटन और योजना आयोग (पर्यटन राष्ट्रीय समिति 1988 की रिपोर्ट, आठवीं पंचवर्षीय योजना, सन् 1992–97 ई.),राष्ट्रीय कार्य योजना 1992)।

अधिसंरचनात्मक विकास– महत्वपूर्ण मुद्दे, अधिसंरचना, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर, कृषि संरचना का प्रबंधन, अवरोध और कमियाँ, वैकल्पिक दृष्टिकोण।

स्थानीय निकाय, अधिकारी और पर्यटन– भारत में स्थानीय निकाय और पर्यटन, खराब प्रद''र्शन के कारण, सुधार क उपाय।

विकास, निर्भरता और मनीला उदघोशणा– विकास निर्भरता विवाद (अनिवार्य तत्त्व, एक आलोचना), तीसरी दुनिया में पर्यटन(आरंभिक प्रयास, मनीला सम्मेलन, एक वि''व व्यापी संघ)।

पर्यटन के प्रभाव

आर्थिक प्रभाव–रोजगार, आय, विदे''ाी मुद्रा अर्जन।

सामाजिक, पर्यावरणात्मक और राजनैतिक प्रभाव– सामाजिक–सांस्कृतिक प्रभाव, ए''ाया में पर्यटन, पर्यावरणात्मक प्रभाव (वन्य जीवन, वहन क्षमता), राजनैतिक प्रभाव।

पर्यटन के खतरे और बाधाएँ– खतरों और अवरोधों की समझ, जन असंतोष, अपराध और दबाव, लाल फीता''ााही और नौकरशाही प्र''िाक्षित मानव शक्ति और जागरूकता, घरेलू पर्यटनों की अवहेलना, पर्यटन आगमन और प्रभाव।

UGTS-02/BTS-02

पर्यटन विकास : उत्पाद, संचालन और स्थिति अध्ययन

पर्यटकों और मेजबानों को समझना

विदे"ाी पर्यटकः – पर्यटकों की रूपरेखा, विदे"ाी पर्यटकों की रूपरेखा, 1988–89 के सर्वेक्षण की मुख्य बातें, आदतें, वि"ोष रूचियाँ, आदि, अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटक आवागमन।

घरेलू पर्यटक : घरेलू पर्यटकों की रूपरेखा, राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर।

मेहमान मेजबान संबंधः– कुछ मूल भूत पहलू, मेहमान मेजबान पारस्परिक संबंध, विभिन्न स्थितियाँ, संख्याओं की भूमिका और पर्यटकों की श्रेणियां, प्रासंगिकता।

समाज"ाास्त्र, मानव"ाास्त्र और पर्यटनः– पर्यटन का समाज"ाास्त्र, पद्धतियाँ, पर्यटन का मानव"ाास्त्र,

एक भाहर की खोज : गाइड और नगर भ्रमणः– गाइड और नगर भ्रमण स्थानीय सूचना के स्रोत, भ्रमण की योजना, भ्रमण की तैयारी, भ्रमण की ओर।

एक स्मारक का वर्णन – ताजमहल : – ताजमहल संबंधी तथ्य, योजना की शुरूआत और निर्माण, इतिहास में ताजमहल, दंतकथाएं, ताजमहल का संरक्षण।

पर्वतीय गाइड – भोरपा : – गाइड और पथ प्रद"ाक, शेरपा – लोग, पथ प्रद"ाक बनने की प्रक्रिया, गाइड/पथ प्रद"ाक और पर्यटकों की अपेक्षाएं, पथ प्रद"ाक के लिए अपेक्षित योग्यता, अन्य पक्ष।

एक संग्रहालय की सैर : – संग्रहालय को समझना, एक संग्रहालय की सैर, पुरातत्व प्रभाग, कला प्रभाग, चित्रकला प्रभाग, प्राकृतिक इतिहास प्रभाग, शैक्षिक गतिविधियाँ।

राश्ट्रीय उद्यान का भ्रमण – एक गाइड का नजरिया :– एक वन्य जीव पर्यटक की पहचान, वन्य जीव पर्यटन की समस्याएँ, प्रकृति की साहचर्य, आर्थिक लाभ – एक एजेंडा।

पर्यटक स्थल – उत्पाद और संचालन – 1

नृत्य और संगीत – खजुराहो उत्सव :– नृत्य और संगीत– पर्यटन उत्पाद का विपणन (मार्केटिंग), खजुराहो– स्थानीय वि"ोषताएं और प्रमुख आकर्षण, खजुराहो उत्सव– आकर्षण बढ़ाने का एक सहायक उपादान, उत्सव की उपलब्धियाँ और असफलताएं।

व्यापारिक भाहर – मुम्बई :– स्थल, मौसम, भूगोल, एक संक्षिप्त परिचय, आवागमन और स्थानीय परिवहन, मुम्बई का व्यापारिक ढांचा, मुम्बई के द"ानीय स्थल, आगंतुकों के लिए आवास।

भोजन, रीति रिवाज, उत्सव और मेले :– एक नजर, भोजन, रीति रिवाज, पर्व, त्योहार और मेल

पर्यटन स्थल : उत्पाद और संचालन – 2

रोमांच और खेलकूद :– रोमांच, खेल और पर्यटन, खेल और मनोरंजन, रोमांचक खेल, टूर आपरेटर्स का उत्तरदायित्व।

समुद्रतटीय तथा द्वीपीय आरामगाह : कोवलम व लक्षद्वीप – आरामगाहों की उत्पत्ति एवं विकास, समुद्रतटीय एवं द्वीपीय पर्यटन की परिकल्पना, कोवलम समुद्रतटीय आरामगाह, लक्षद्वीप–इतिहास, आकर्षण, अधिसंरचना, आवास एवं खानपान, मार्ग, सुविधाएं, पर्यटकों के लिए जरूरी बातें।

भारत के हिल स्टे"नः– पहाड़ी पर्यटन में आकर्षण के बिन्दु, पहाड़ी पर्यटन उद्योग के समन्वयात्मक प्रभाव, प्रतिनिधि हिल आरामगाहें, नयी हिल आरामगाहों की आव"यकता।

वन्य जीवः जिम कार्बेट तथा गीर राश्ट्रीय उद्यानः– वन्य जीव का अनुभव, संरक्षित वन्य जीव उद्यानों का जाल, प्रकृति के साथ संबंधों का पुनर्नवीनीकरण, वन्य जीव आकर्षण, राष्ट्रीय उद्यान।

पर्यटन स्थलः– उत्पाद और संचालन–3

तीर्थ स्थलः– इतिहास में तीर्थ स्थल, तीर्थस्थल एवं पर्यटन, तीर्थस्थलः अध्ययन विषय(वैष्णोदेवी, कामाख्या, तिरूपति, अजमेर : मुईनुउद्दीन की दरगाह)।

उत्सवः– ऋतु उत्सव (नौका दौड़, आमों का उद्यान एवं फूल, चाय, पतंग उत्सव), सांस्कृतिक उत्सव (हाथी, राजस्थान का मरूस्थल, संगीत नृत्य उत्सव, धार्मिक मेले, बौद्ध मठों का शहर लद्दाख उत्सव), जनजातीय उत्सव, उत्सव मेले एवं पर्यटन।

नृजातीय पर्यटनः– नृजातीय पर्यटन की संकल्पना, सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभाव, मध्यस्थों की भूमिका, भारत में नृजातीय पर्यटन।

f"ाल्प और लोक कलाः– f"ाल्प और लोक कलाः पर्यटन के कारक (लुप्तप्राय f"ाल्प), गृह सज्जा के माध्यम के रूप में लोक कला, f"ाल्प अपने प्राकृतिक पर्यावरण में, f"ाल्प और लोक कलाः विस्तार और संरक्षण (क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, संग्रहालय), लोक उत्सव, और f"ाल्प मेले।

प्रोत्साहनमूलन कौ"ाल : स्थिति अध्ययन –1

भारत महोत्सव : विदे"ाों में सांस्कृतिक छवि निर्माण।

संरचना, योजना और संगठन, उद्दे"य और प्रासंगिकता, उपलब्धियां और सीमाएं।

इंडियाफेस्ट परिकल्पना, योजना, सर्वेक्षण, प्रोत्साहन और प्रचार, प्रस्तुत कार्यक्रम, समस्याएं, उपलब्धियाँ।

कलिंग– बाली यात्राः– कलिंग बाली यात्रा (उद्दे"य, विस्तृत योजना, यात्रा), अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ, प्रचार, मूल्यांकन।

पैलेस ऑन व्हील्सः– परियोजना की उत्पत्ति, परियोजना निर्माण, परियोजना प्रद"ार्न, यात्रा कार्यक्रम, प्रोत्साहन, संगठनात्मक प्रारूप।

प्रोत्साहन मूलक कौ"ाल–स्थिति अध्ययन–2

पाटाः यात्रा हाट का एक अध्ययनः– उदभव और संरचना, पाटा यात्रा हाट, पाटा विपणन सम्मेलन, भारतीय पर्यटन पर प्रभाव, अवलोकन।

विदे"ाों में विपणनः पर्यटन विभाग–भारत सरकार। आपरे"ान ब्रिटेन, आपरे"ान यूरोप, अन्य कार्यवाईयाँ (अमेरिका, प"ाम एf"ाया)।

राज्य सरकार की पर्यटन प्रोत्साहन योजनाएँ (महाराश्ट्र का स्थिति अध्ययन):– महाराष्ट्र एवं पर्यटक स्थल (संक्षिप्त इतिहास, सांस्कृतिक विरासत ऐतिहासिक स्थल और स्मारक, प्राकृतिक सौन्दर्य कला और हस्ति”ाल्प), महाराष्ट्र में पर्यटन (वर्तमान स्थिति, नए विचार, वृहत योजनाएं), पर्यटन विकास की नीति (पर्यटन का विकास, निवे”ा और प्रोत्साहन, पारिस्थितिकी का संरक्षण और सांस्कृतिक सुरक्षा, अन्य उपाय, नीति का कार्यान्वयन)।

दूसरों से सीखिए

सीटा

उदय और इतिहास, विकास अध्ययन, संगठनात्मक ढांचा, कर्मचारियों की नियुक्ति और प्रि”ाक्षण, संचालन विधि, विपणन रणनीति, सीटा और पर्यटन का विकास, सीटा और चुनौतियाँ।

एयर इण्डिया

संगठन, संचालन क्षेत्र, मार्ग जाल, उड़ानों की समय तालिका और संचालन, पूंजी, वित्त और लाभ, पूंजी, वित्त और लाभ, पर्यटन प्रोत्साहन, एयर इण्डिया की पुनर्रचना,

राजमार्ग सेवायें: हरियाणा पर्यटन

राजमार्ग सेवाएं: एक सिंहावलोकन, हरियाणा से गुजरते राजमार्ग, राजमार्ग पर सेवाएं, विविध कार्य।

विरासत होटल

विरासत होटलों का इतिहास, विरासत होटल संगठन, योजना का मूल्यांकन।

UGTS-03/BTS – 03
पर्यटन में प्रबन्धन

उद्यमिता की समझ और प्रबंध

प्रबंध : अवधारणा एवं कार्य – प्रबंधन की अवधारणा, प्रबंधन को समझना, प्रबंधक भूमिका, कार्य और दायित्व (प्रबंधकीय भूमिकाएं, कार्य, उत्तरदायित्व, कार्य का विन्यास), प्रबंध के कार्य।

उद्यमिताः संकल्पना एवं कार्य – उद्यम संबंधी गुण, प्रक्रिया, अवसर की पहचान करना, बाजार का मूल्यांकन, संसाधन जुटाना, अन्य विचार।

पर्यटन के निगमित रूपः– सेवा, बाजार एवं उद्योग, एकल स्वामित्व (वि"ोषताएं, लाभ नुकसान), भागीदारी (लाभ–नुकसान) कंपनी (वि"ोषताएं, प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी, पब्लिक लिमिटेड कम्पनी, नामाधिकार), संगठनों के अन्य रूप।

पर्यटन में प्रबंध के मुद्दे :– पर्यटन सेवाएं, कुछ प्रबंधकीय मुद्दे (मानव ससाधनः प्र"िाक्षण एवं विकास, गंतव्य नियोजन एवं प्रबंध, बदलती अपेक्षाएं एवं रूचियाँ, संबंध, उत्पाद संवर्धन, प्रौद्योगिकी की भूमिका, बाजार का समझना, सामाजिक उत्तरदायित्व, संकट प्रबंध)।

संगठनात्मक सिद्धान्त को समझना

संगठन को समझनाः– संगठन (क्लासिकल, नव क्लासिकल, व्यवस्थाबद्ध दृष्टि), संगठनात्मक ढांचा (संगठनात्मक सारणी, औपचारिक, अनौपचारिक ढांचा), संगठन ढांचा के घटक, संगठन ढांचों का वर्गीकरण, संगठनात्मक संस्कृति।

नियोजन और निर्णय निर्माणः– नियोजनः परिभाषा और वि"ोषताएं, योजनाओं के प्रकार, नियोजक के कौ"ाल, नियोजन के चरण, निर्णय निर्माण, निर्णय निर्माण के चरण।

व्यवस्थापनः– व्यवस्थापन, काम का बँटवारा, विभागीकरण, नियंत्रण क्षेत्र, अधिकार निर्धारण, संयोजन।

निरीक्षण और नियंत्रणः– नियंत्रणः परिभाषा और आव"यकता, नियंत्रण के प्रकार, नियंत्रण प्रक्रिया के चरण, प्रभाव"ाली नियंत्रण की तकनीक, नियंत्रण का परिणाम।

संगठनात्मक व्यवहार

छोटे समूह का व्यवहारः– समूहों का वर्गीकरण, छोटे समूह की वि"ोषताएं, छोटे समूहों का निर्माण, व्यवहार छोटे समूह में नेतृत्व, समूह में अन्तर संवाद।

अन्तर वैयक्तिक व्यवहारः– आत्म जागरूकता का वि"लेषण, अहं की स्थितियाँ, जीवन के प्रति दृष्टिकोण, टकराव से निपटने के तरीके।

अन्तर समूह व्यवहारः– समूहों की प्रकृति, अन्तर समूह व्यवहार को समझना, संयोजन–अन्तर समूह कार्यान्वयन की कुंजी (परस्पर निर्भरता, कार्य अनि"चितता, समय और लक्ष्य निर्धारण), अन्तर समूह संबंधों का प्रबंधन, समूह कार्यान्वयन।

पर्यवेक्षकीय व्यवहारः– प्रथम पंक्ति प्रबंधन का महत्व, प्रभाव"ाली पर्यवेक्षक के गुण, पर्यवेक्षकों की समस्यायें।

प्रबन्धन कार्य

मानव संसाधन प्रबंधनः– प्रबंधन में मानव संसाधन प्रबंधन उद्योग में विविधता, मानव संसाधन नियोजन (प्रबंधन क्रिया, नियुक्ति एवं चयन, परिचय एवं प्र"िाक्षण, प्रेरणा, मूल्यांकन प्रणालियां)।

वित्तीय प्रबंधनः– वित्तीय प्रबंधन–नियोजन, धन उगाही (कार्य पूंजी का प्रबंधन, नगदी प्रबंधन), लागत प्रबंधन, बजट निर्माण।

कार्यात्मक प्रबंधनः– क्रियात्मक प्रबंधनः परिभाषा और प्रासंगिकता, क्रियात्मक प्रणाली का निर्माण (निर्माण, क्षमता, प्रक्रिया चयन, सुविधा स्थल, भौतिक सुविधाओं का नियोजन, खरीद), क्रियात्मक नियोजन और नियंत्रण निर्णय।

विपणन प्रबंधनः– विपणन प्रबंधन की परिभाषा, बाजार की पहचान, विपणन मिश्र और रणनीति, विपणन संगठन अनुसंधान।

सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधनः– प्रबंधकीय भूमिकाए, पर्यटन में सूचना की भूमिका, सूचना प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन में संचार।

वित्तीय संचालन का प्रबंधन

लाभ–हानि लेखा को समझनाः– लाभ–हानि लखा का अर्थ, आय का मापन, लाभ–हानि लेखा तथा बैलेंस शीट में सबंध, महत्वपूर्ण शब्दावली, लाभ–हानि लेखा तैयार करना।

बैलेंस भीट को समझनाः– बैलेंस शीट, मूलभूत अवधारणा, बैलेंस शीट के रूप, बैलेंस शीट की संरचना तथा वि"लेषण।

लाभ संभाव्यता वि"लेशणः– मूल्य मात्रा लाभ वि"लेषण (स्थायी, परिवर्तनीय, अर्धपविवर्तनीय लागत तथा लागत मात्रा लाभ, वि"लेषण की मान्यताएं) न लाभ न हानि बिन्दु, न लाभ न हानि तालिका, लाभ मात्रा अनुपात, सुरक्षा की सीमा, किसी बहुउत्पाद फर्म के लिये मूल्य मात्रा लाभ वि"लेषण, न लाभ न हानि बिन्दु वि"लेषण की उपयोगिता।

प्रोजेक्ट बनाना तथा उसका आकलन– प्रोजक्ट की योजना की खोज, प्रोजेक्ट योजना की परिभाषा, प्रोजेक्ट योजना का परीक्षण, प्रोजेक्ट तैयार करना तथा रिपोर्ट बनाना, तकनीकी, विपणनीय, वित्तीय संभाव्यता, अर्थ"ाास्त्री उपयोगिता, मूल्य निर्धारक की तकनीक।

पर्यटन में प्रबन्धकीय व्यवहार–1

पर्यटक संचालन (टूर आपरेटर्स):– पर्यटन संचालक, कम्पनी स्थापित करना, उत्पादन ज्ञान एवं उसका प्रस्तुतीकरण, पर्यटन पैकेज का मूल्य, निर्धारण रसीदें तैयार करना, पर्यटकों/ग्राहकों की देख रेख, व्यावयासिक पत्र व्यवहार, दि"ाा निर्दे"ा (पर्यटन गाइड, वाहन चालकों को पर्यटन के बाद प्राप्त जानकारियाँ), पर्यटकों/यात्रियों/ग्राहकों का एयरपोर्ट, रेलवे स्टे"ान, होटल से एकत्रित करना, छोड़ना तथा होटल में ले जाना।

ट्रैवेल एजेन्सियाँ:– ट्रैवेल एजेन्सो, प्रबंधकीय कार्य, ट्रैवेल एजेन्सी स्थापित करना, भाषा, शब्दावली तथा संक्षिप्त नाम, संचालन प्रबंधन, वित्तीय व्यवस्था, विपणन।

होटलः– कुछ मूलभूत मुद्दे, आयोजन/नियोजन, संगठन, दि"ाा निर्दे"ा एवं नियंत्रण, वित्तीय व्यवस्था, विपणन, स्वागत पटल, तथा आरक्षण, ग्राहकों की सेवाएँ आवभगत, खान पान, होटल तथा पर्यटन।

जनसंपर्कः— जनसम्पर्क की भूमिका एवं कार्य, पर्यटन तथा प्रचार में जन संपर्क, अन्य विभागों से अन्तर्संबंध, सूचनात्मक आव"यकता, भारतीय पर्यटन में जनसम्पर्क के लिए चुनौतियां।

पर्यटन में प्रबन्धकीय कार्यकलाप—2

खान पान सेवाः खान पान सेवा उद्योग की रूपरेखा, बाधाएं एवं भ्रान्तियां, सफलता के लिए आव"यकताएं, व्यंजन सूची, खाद्य एवं पेय पदार्थ की कीमतों पर नियंत्रण खानपान में सफाई का महत्व, खान—पान संचालन में कम्प्यूटर का योगदान, विपणन।

पर्यटक परिवहनः— योजना, संगठन/संस्था, विपण, पूर्वानुमान, परिवहन प्रबंधन में मुख्य समस्याएं, परिवहन एवं पर्यावरण, उपभोक्ता संरक्षण।

एयरलाइन्सः— योजना, संगठन, वित्तीय संरचना, चालन एवं समय सारिणी निर्धारण, विपणन तथा विक्रय, सामायिक चुनौतियाँ।

एयरपोर्टः— एयरपोर्ट का कार्य तथा प्रबंधन मे आने वाली समस्याएं, समस्यामूलक क्षेत्र, वित्तीय उपलब्धियों में वृद्धि, प्रद"ान के प्रति सजगता, अन्य प्रमुख मुद्दे।

अधिवे"ान प्रोत्साहन एवं प्रबंधन

अधिवे"ान उद्योगः— व्यवसायी यात्री, कुछ परिभाषाएं, अधिवे"ान व्यवसाय, अधिवे"ान उद्योग के ग्राहक, अधिवे"ान संबंधी विपणन।

अधिवे"ानों की कार्य योजना :— आयोजकों की कार्य योजना, ओयोजकों द्वारा वित्तीय व्यवस्था, पूर्तिकर्ताओं की योजना, व्यापार मेले तथ व्यवसायिक प्रद"ानी

अधिवे"ानों का प्रबंधन एवं कार्यान्वयनः— संचालन समिति एंव सचिवालयी कार्य, विभिन्न समितियों द्वारा अधिवे"ान का प्रबंधन/आयोजन, सम्मेलन के बाद के कार्य, अधिवे"ान समाप्ति के बाद के कार्य ।

UGTS- 04/BTS – 04
भारतीय संस्कृति : पर्यटन का परिदृ”य

भारतीय संस्कृति और विरासतः ऐतिहासिक संदर्भ–1– संस्कृति और विरासत– परिभाषा की निर्धारित समस्याएं, संस्कृति और इसके निर्धारित तत्व, ऐतिहासिक विकासक्रम (हड़प्पा युग, वैदिक सभ्यता, बौद्ध काल, गुप्त काल, पूर्व मध्य काल)।

भारतीय संस्कृति और विरासत : ऐतिहासिक संदर्भ–।। – एतिहासिक विकास (उत्तर मध्य, आधुनिक समकालीन युग), विज्ञान और प्रौद्योगिकी का ऐतिहासिक विकास, पर्यावरण और संस्कृति भारतीय सांस्कृतिक विरासत की वि”ोषताएं।

संस्कृति का संरक्षणः– पर्यटन की संस्कृति बनाम संस्कृति का पर्यटन, संस्कृति का संरक्षण, ऐतिहाकिस विरासत, पुरातात्विक स्थलों और स्मारकों का संरक्षण, कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और रखरखाव, सामाजिक– आर्थिक विरासत का संरक्षण।

पर्यटन और संस्कृतिः कुछ विचार :– कुछ अन्तर्राष्ट्रीय उदाहरणा का अध्ययन, (स्पेन, इडोने”ाया, ग्रीस, मैक्सिकों, निष्कर्ष), कुछ भारतीय उदाहरणं

सामजिक संरचना

सामाजिक ऐतिहासिक परिदृ”य–1ः – वैदिक काल मे भारतीय समाज (पूर्व वैदिक उत्तर वैदिक काल), वैदिक युग क बाद का समाज, गुप्तकाल और उसके बाद का समाज, मध्यकाल।

सामाजिक ऐतिहासिक परिदृ”य–।। :– भारत में समाजः एक ऐतिहासिक परिदृ”य (औपनिवे”ाक, उत्तर औपनिवे”ाक तथा समकालीन भारत), भारत में जाति और वर्ग, भारत में परिवर्तन ओर निरंतरता।

रोति–रिवाज, अनुशठान और पथः– रीति–रिवाज और अनुष्ठान (भूमिका, कार्य, प्रकार जीवन–चक्र से संबंधित तथा अन्य रीति–रिवाज, पंथ, सम्प्रदाय, हिन्दू, मुसलमान, सिंक्ख, बौद्ध, जैन, ईसाई)।

मेले और त्योहारः– भारत के त्योहार आर मेलेः कुछ महत्वपूर्ण वि”ोषताए, पर्यटन तथा मेले और त्योहार।

ललित कलाएँ

नृत्यः– नृत्यः सिद्धान्त और तकनीक, नृत्यः ऐतिहासिक विकास, भारतीय शास्त्रीय नृत्य (भरत नाटय, कत्थक, कत्थककलि)

संगीतः– भारतीय संगीत– शैलीगत वर्गीकरण (मार्ग और दे”ाी संगीत, उत्तर भारतीय तथा कर्नाटक शैलियाँ, संगीत के अनिवार्य तत्व (स्वर, ताल, राग), संगीत– उदभव और विकास (प्राचीन,मध्ययुगीन आधुनिक)।

चित्रकलाः— सौन्दर्य"ाास्त्र (परिभाषा, भारतीय और यूरोपीय सौन्दर्यानुभूति), भारतीय चित्रकला (सन्दर्भ, रस का सिद्धान्त, सामान्य, वि"ाषताएं), काल विभाजन (प्रागैतिहासिक, शास्त्रीय, मध्यकाल), आधुनिक चित्रकला (भारत में यूरोपीय कलाकार, आधुनिक भारतीय चित्रकला।) संरक्षण।

लोकप्रिय संस्कृति

भारतीय रंगमंचः— भारत में रंगमंच परम्परा (संस्कृत, लोक तथा आधुनिक रंगमंच), भारत में नाटक परम्परा (संस्कृत संस्कृतोत्तर, आधुनिक नाटक), आधुनिक भारतीय रंगमंच (पारसी, अभिजात्य , जनोन्मुखी रंगमंच), विभिन्न नाट्य शैलियां (पा"चात्य, संस्कृत, लोक नाट्य तथा अन्य नाट्य शौलियाँ)।

भारतीय सिनेमाः— भारतीय सिनेमा का परिचय (मूल फिल्मों, स्वतंत्रता से पूर्व की सवाक फिल्मों तथा स्वातन्त्रयोत्तर सवाक फिल्मों का युग) एक उद्योग के रूप में भारतीय सिनेमा, भारतीय सिनेमा : यथार्थ या फैंटेसी, भारतीय सिनेमा में राजनीतिक परिप्रेक्ष्य, नायक की छवि, नारी की छवि, संगीत, उपलब्धियाँ।

स्थापत्य

प्रमुख स्थापत्य भौलियाँ— हड़प्पा सभ्यता, प्राचीन भारत (आवासीय, धार्मिक) मध्यकालीन भारत (भारतीय–इस्लामी, मुगल), औपनिवे"ाक काल।

क्षेत्रीय स्थापत्य भौलियाँ— प्राचीन काल (स्तूप, गुफा स्थापत्य मंदिर), मध्यकाल (पूर्वी, प"चमी–मध्य–दक्खन भारत, विजयनगर), औपनिवे"ाक काल (राजाओं के भवन, ब्रिटि"ाकाल स्थापत्य)।

स्थापत्य के उपयोग आधारित प्रकार :— आवासीय, धार्मिक, आनुष्ठानिक, सामरिक, सार्वजनिक उपयोग।

मूर्तिकलाः— मूर्तिकला : आकार और प्रकार, आरंभिक काल (हड़प्पा सभ्यता, मौर्य, शुंग कुषाण काल) गुप्त काल, मध्य काल, दक्षिण भारतीय धारा।

पुरातत्व और पुराव"ोश

पुरातात्विक स्थल–1 :— (पूर्व हड़प्पा और हड़प्पा), पुरातात्विक स्थल से तात्पर्य, हड़प्पा सभ्यता की खोज और नामकरण, भौगोलिक विस्तार, हड़प्पा सभ्यता का काल, आरंभिक हड़प्पा बस्तियाँ, परिपक्व हड़प्पा स्थल ("ाीर्तुघइ, सुतकागेंदर, मोहनजोदड़ों, हड़प्पा, कालिबंगन, बनवाली, लोथल), कुछ सामान्य वि"ाषताएं।

पुरातात्विक स्थल–2 :— (उत्तर हड़प्पा):— गांगेय सभ्यता के पुरातत्व का महत्व, मिट्टी के बर्तनों का महत्व, गंगा घाटी में मिट्टी के बर्तन 3000 वर्ष पूर्व उत्तर भारतीय भोज्य पदार्थ, छटी शताब्दी ई. पूर्व में उत्तर भारत के कुछ प्रमुख शहर, मध्य भारत, दक्षिण भारत।

संग्रहालय और पुराव"ोशः— संग्रहालय–एक ऐतिहासिक लेखा जोखा (प"चमी दुनिया, भारत) विकास के चरण, संग्रहालयों के प्रकार, भूमिका उत्तरदायित्व, संगठन, संग्रहालय के लिए वस्तुएं कैसे प्राप्त की जाती है। पुराव"ाष, संग्रहालय और पर्यटन

हस्तलिपि : निरंतरता और परिवर्तन

हस्ति"ाल्पों का बाजारीकरणः— वस्तु और बाजारीकरण, भारतीय हस्ति"ाल्प का इतिहास, पर्यटन और हस्ति"ाल्प : दो केस अध्ययन (अमेरिका, थाईलैंड), भारतीय हस्ति"ाल्पों का विपणन, हस्ति"ाल्प क्षेत्र की कमजोरियां।

मिट्टी, पत्थर, लकड़ी और धातु ि"ाल्प :— मिट्टी के ि"ाल्प और बर्तन, पत्थर से बनी वस्तुएं, लकड़ी के समान, धातु ि"ाल्प, कारीगर और ि"ाल्पी।

हाथी दाँत, रत्न और आभूशणः— हाथी दाँत, रत्न और बहुमूल्य पत्थर, सोने—चाँदी का काम, गहने और आभूषण, अन्य ि"ाल्प।

वस्त्र और परिधानः— भारत में वस्त्र उद्योग का इतिहास, वस्त्र प्राद्योगिकी, भारतीय परिधान, वस्त्र नीति और भविष्य की संभावनाएं, वस्त्र परिधान और पर्यटन।

जनजातीय संस्कृति

अस्मिता निर्माणः— जनजाति क्या है, अस्मिता क्या है, अस्मिता के प्रकार, जनजातीय अस्मिता का निर्माण, पर्यटन के लिए अस्मिता को समझने की आव"यकता।

ऐतिहासिक और भौगोलिक विस्तार :— सांस्कृतिक आयाम, भौगोलिक विस्तारः जनजातीय क्षेत्र (उत्तर और उत्तर पूर्वी, मध्य भारत, दक्षिण पि"चमी छुटपुट जनजातियां), इतिहास, भाषा और जातीयता।

समाजिक और धार्मिक व्यवस्थाः— जनजातीय समाज (सामाजिक संगठन, वैवाहिक संस्था, पारिवारिक ढांचा, महिलाओं की स्थिति, ग्रामीण संरचना), जनजातीय धर्म, जनजातीय अर्थ व्यवस्था।

जनजातियाँ और विकास सम्बंधी नीतियाँः— जनजातीय विकास की योजना और कार्यक्रम : स्वातंत्रयोत्तर भारत, सरकारी नीतियाँ : एक समीक्षा, पर्यटन और जनजातीय क्षेत्र।

संस्कृति संबंधी नीतिगत मुद्दे

सरकारः— पर्यटन, संस्कृति और राज्य, सरकारः नीति और नियोजन, पर्यटन नीति : संरक्षण और प्रोत्साहन, पर्यटन नीतिः एक नई दृष्टि की जरूरत।

व्यापारः— पुरातात्विक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल, कला और हस्ति"ाल्प, मंचात्मक कलाएं।

ज्नसंचारः— जनसंचार और उसके प्रकार, प्रभाव, भूमिका, जनसंचार, संस्कृति और पर्यटन, अभिभावक की भूमिका में जनसंचार।

UGTS- 05/BTS – 05
पारिस्थितिकी पर्यावरण एवं पर्यटन

हमारा पर्यावरण– एक परिचय

हमारा पर्यावरण–

अजैविक पर्यावरण, समय के साथ पर्यावरण में परिवर्तन,

प्रकृति में संयोजन

पारिस्थितिक तंत्र, पारिस्थितिक तंत्र के घटक, आहार श्रृंखला, आहार जाल एवं पोषण स्तर, अन्तर्सम्बन्ध और अन्योन्याश्रम, संयोजन, पर्यटन उद्योग का प्रकृति से सम्बन्ध करने का प्रबन्ध।

वि"व के जीवोम

वि"व के स्थलीय जीवोम, जलीय जीवोम, भारत में जीवोम,

प्रकृति में समुदाय

समुदाय की वि"ोष्टताएं, समुदाय की जातियों में अन्योन्यक्रियाएं, समुदाय के संगठन, जैव विविधता,

पर्यावरण और संरक्षण कर्तव्य बोध

संरक्षण का इतिहास

संरक्षणः परिभाषा, आधुनिक समय में संरक्षण का इतिहास, भारतीय दा"र्निक विचार, वर्तमान समय में संरक्षण का महत्व,

पर्यावरणीय मापदण्ड और पर्यटन

पारिस्थितिकी पर्यटन, पर्यावरण पर पर्यटन का प्रभाव, समाधान।

भारतीय द"र्न और पर्यावरण

प्रकृति की संकल्पना, मौलिक परम्पराओं में पर्यावरण, दा"र्निक ग्रन्थों में पर्यावरण, पर्यावरण और शास्त्रीय कला, द"र्न और संस्कृति : पर्यावरणीय अनुकूलन।

पर्यावरणीय समस्याएं एवं पर्यटन विकास

पर्यावरण और विकास

पर्यावरण, विकास, समस्यात्मक संबंध,

विकास की धारणाएँ

विकास में पर्यटन के स्थान का निर्धारण, परिरक्षण और विकास, संरक्षण और विकास, सहभागिता और विकास, टिकाऊ विकास,

उत्तरदायी पर्यटन लाभ

उत्तरदायी/वैकल्पिक पर्यटन, लाभ, समस्याएं, क्या प्रबल किये जा रहे हैं।

पर्यावरण और पर्यटन

पहुँच, अधिसंरचनात्मक सुविधा एंव भूमि उपयोग : मूल मुद्दे

पर्यटन के लिए योजना का महत्व, प्र्यटन नियोजन : व्यापक संदर्भ, पर्यटन मास्टर प्लान, भौतिक योजना : पहाड़ी पर्यटन, भौतिक विकास : तटीय रिसार्ट।

समुदाय और आंचलिक सम्पदा

समुदाय का अर्थ, आंचलिक सम्पदा, तनाव, समुदाय और टिकाऊ पर्यटन,

गुणक प्रभावः लाभ परिणाम

गुणक प्रभाव, सकारात्मक सामाजिक आर्थिक लाथ, नकारात्मक प्रभाव, पर्यावरण पर प्रभाव, जिनी अर्थव्यवस्था पर प्रद"ान प्रभाव, लागत मुनाफा वि"लेषण।

पर्यटनः संरक्षण के साधन के रूप में

व्यवहार और संभावना

व्यवहार और संभावना, भंगुरता, बचाव के मार्ग,

पर्यटन स्थल और स्थलीय योजना

पर्यटन योजना का महत्व, पर्यटन योजना, पर्यटन स्थल एवं सरंक्षण,

असमान क्षेत्रीय/ राश्ट्रीय योजना

क्षेत्रीय असंतुलन के कारण, संतुलित पर्यटन योजना, संतुलित विकास के लिए दि"ाा निर्दे"ा,

विकल्प

पर्यटन में संरक्षण, विकल्पः कुछ उपाय,

नीति और ढाँचागत सुविधाएँ

पर्यटन नीति एवं उसके प्रभाव

एक नीति की ओर, योजना परिप्रेक्ष्य 1988, राष्ट्रीय कार्य योजना 1992, वित्तीय एवं आर्थिक प्रभाव, आवास एवं परिवहन पर प्रभाव, पर्यटकों और पर्यटक पर प्रभाव, प्रबन्धन एवं विपणन पर प्रभाव, विदे"ाी सहयोग

ढाँचागत सुविधा

पर्यटन ढांचागत सुविधाएँ, वि"ोष पर्यटन उत्पाद : पर्यटन ढाँचागत सुविधाओं के लिए नए आयाम, सम्मेलन पर्यटन, संकेन्द्रित विकास के लिए सर्केट्स/गन्तव्य/स्थान, कर्नाटक पर्यटन विकास से सीख, विकास का केस अध्ययन, स्थानीय समुदाय का दृष्टिकोण उड़ीसा और केरल, विकास से सीख विकास के वैकल्पिक माडल,

पर्यावरण अपकर्श एवं पर्यटन

प्रतिरोध, पर्यटन के प्रभावों का वि"लेषण, पर्यटन क्यों? पारिस्थितिकीय पर्यटन क्या है? संरक्षण एवं विकास,

अधिनियम एवं कानून

रीति रिवाज एवं परम्पराएं, राज्य के कानूनी एवं न्यायिक अधिकार, निजी क्षेत्र की कार्यप्रणाली की चिंताएं, सामाजिक एवं पर्यावरणीय न्याय के संघर्षरत समूहों द्वारा उठाई गई आवाज, अधिकार क्षेत्र, कमी,

पर्यावरण की राजनीति

किसका पर्यावरण, पर्यावरण की राजनीतिः विकास के संदर्भ में, पर्यावरण की राजनीति : भारतीय संदर्भ, पर्यावरण की राजनीति एवं पर्यटन।

दबाव और न्यूनतम सीमारेखाएं

दबावों को पहचानना और न्यूनतम सीमारेखाओं को समझना

पर्यावरण पर दबाव, न्यूनतम पर्यावरणीय सीमारेखाएं, कुछ हल।

मेजबान/स्थानीय जनसमुदाय

स्थानीय लोगों के लिए अवसर, स्थानीय लोगों की भागीदारी, मेजबानों/स्थानीय लोगों पर दबाव, पर्यटन और संस्कृति,

पर्यटक का व्यवहार

आगंतुक की परिभाषा, भारतः पर्यटन स्थल और पर्यटक, पर्यटक व्यहार और पर्यावरण, असंतुलन की रोकथाम,

पर्यावरण पर प्रभाव

वनस्पति एवं वन्यजीवन

जीव भौगोलिक प्रदे"ा और वन्यजीव, वन्यजीवन का महत्व, वन्यजीवन पर पर्यटन का प्रभाव

पहाड़

पहाड़ों के बार में अवधारणाएं, हिल स्टे"ानों का विकास, पहाड़ों में राजनीतिक घटनाओं का ऐतिहासिक कालक्रम, स्थानीय समुदायों का विस्थापन, आमोद–प्रमोद एवं पर्यावरण, पर्यावरणीय प्रभाव।

पर्यावरणीय प्रभाव–2
नमभूमि

नमभूमि क्या है? नमभूमि क्षेत्र का महत्व, भारतीय नमभूमि क्षेत्र, पर्यटन का प्रभाव, अत्यधिक पर्यटन और नमभूमि क्षेत्र, नमभूमि क्षेत्रों का संरक्षण,

द्वीप एवं समुद्री तट

पर्यटन और पर्यावरण, द्वीपों तथा समुद्री तटों का महत्व, द्वीपों का वर्गीकरण तथा निर्माण प्रक्रिया, द्वीपः भौगोलिक वितरण, समुद्री तट एवं उनकी निर्माण प्रक्रिया, समुद्री तट एवं उनका भौगोलिक वितरण, पर्यावरण को खतरा, समस्या का निराकरण।

खेलकूद रोमांचकारी, गोल्फ, जलक्रीड़ा

खेल, रोमांचक खेल, गोल्फ, जलक्रीड़ा, पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को रोकने के उपाय।

होटल तथा रिसॉर्ट

अधिसंरचनात्मक सुविधायें के रूप में होटल व रिसॉर्ट, पर्यावरण ह्रास, बचाव के उपाय,

UGTS- 06/BTS – 06
पर्यटन विपणन

पर्यटन बाजार को समझना

पर्यटन विपणन का परिचय – दृश्टिकोण, प्रासंगिकता एवं भूमिका– विपणनः परिभाषा एवं अवधारणाएं, पर्यटन विपणन की अवधारणाएं पर्यटन विपणन की वि"ोषताएं, विपणन संगठन एवं प्रबंधकगण, विपणन योजना।

बजार प्रखण्डन– प्रखण्डन सिद्धान्त, विभिन्न दृष्टिकोण, मुख्य परिवर्तन"ाील कारक अन्य निर्धारक कारक आदि।

पर्यटन बाजार– अन्तर्राश्ट्रीय और घरेलू–

विदे"ाी पर्यटन बाजार, स्थिति अध्ययन (केस स्टडी), अन्तरक्षेत्रीय, घरेलू (दे"ाीय)बाजार,

विपणन वि"लेशण

विपणन अनुसंधान– विपणन अनुसंधान, अनुसंधान के क्षेत्र, सूचना का स्रोत, विपणन अनुसंधान का रूपांकन, बाजार सर्वेक्षण, प्र"नवलियाँ एवं प्रपत्र, साक्षात्कार हेतु व्यक्ति, अर्थ निरूपण आदि।

प्रतियोगिता वि"लेशण और रणनीतियाँ –

प्रतियोगिता वि"लेषण, प्रत्यक्ष बनाम अप्रत्यक्ष प्रतियोगिता, एकाधिकारी एवं अल्पाधिकारी प्रतियागिता, परिमाणात्मक एवं गुणात्मक वि"लेषण, रणनीतिक चयन, रणनीतिक चयन एवं प्रतियोगी।

पर्यटन एवं उनके उत्पादों का पूर्वानुमान– पूर्वानुमान की पद्धतियां, पर्यटन में अनुप्रयोग आदि।

पर्यटन विपणन में प्रौद्योगिकी की भूमिका –

प्रौद्यागिकी के निहितार्थ, आरक्षण, सूचानाएं, अनुभव, संप्रेषण।

विपणन की विकासात्मक भूमिका

सार्वजनिक संगठनों की भूमिका–

पर्यटन विपणन, विकासात्मक भूमिका, सार्वजनिक संगठनों की भूमिका, मूल्यांकन।

स्थानीय निकायों की भूमिका – गंतव्य योजना, विपणन, भूमिका आदि।

गैर सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) की भूमिका–

राजकीय ढांचा, सामाजिक परिवर्तन एवं गैर सरकारी संगठन, पर्यटन में गैर सरकारी संगठनों का हस्तक्षेप, पर्यटन जागरूपकता में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, गंतव्य स्थलों पर गैर सरकारी संगठनों की भूमिका।

सामाजिक उत्तरदायी विपणन–

विपणन, सामाजिक उत्तरदायी विपणन, सामाजिक उत्तरदयाी विपणन का एक प्रारूप, प्रोत्साहन मिश्रण का महत्व, सामाजिक उत्तरदयाी विपणन के प्रति कुछ आलोचनात्मक धारणएं, उत्तरदायी पर्यटन में सम्मिलित संस्थाएं,

सामाजिक विपणन

उत्तरदायी विपणन में विपणन, पर्यावरण के अनुकूल विपणन रणनीतियाँ, सरंक्षण, पुर्नस्थापना, सांस्कृतिक विरासत संबंधित पर्यटन, पारिस्थितिकी पर्यटन।

विपणन मित्र

उत्पाद प्रारूप निर्माण – उत्पाद की व्याख्या, उत्पाद का विकास , पर्यटन में उत्पाद कल्पना, उत्पाद अवस्थिति, उत्पाद जीवन चक्र,

कीमत सम्बन्धी रणनीतियाँ– संचार के माध्यम से प्रोत्साहन, विज्ञापन, जनसम्पर्क, विक्रय प्रोत्साहन आदि।

वितरण सम्बन्धी रणनीतियाँ– परिभाषा, रणनीति, प्रणाली, पर्यटन, उद्योग में मध्यवर्ती, प्रणालियों एवं मध्यवर्तियों का चयन,

पंचम पीः जनता, प्रक्रिया और भौतिक प्रमाण– जनता, प्रक्रिया और भौतिक प्रमाण, पंचम पी का आव"यकता, पर्यटन उद्योग एवं जनता,, पर्यटन उद्योग में पराक्रम भौतिक प्रमाण, कुछ 'सी' विपणन, रणनीति निरूपित करने में पंचम पी का उपयोग,

विपणन मित्र : वि"ोश परिस्थितियाँ

परिचय यात्राएं – उद्दे"य, आमांत्रित अतिथि, भागीदार, आयोजक और संगठन।

मौसमवार विपणन– पर्यटन में मौसमीयता

पर्यटन मेले और यात्रा बाजार–

व्यापार मेले और ट्रैवल मार्ट, कुछ महत्वपूर्ण आयोजन, आलोचना, उत्सव

पर्यटन सील विपणन

क्षेत्र भाहर और विज्ञान स्थल–

मुद्दे आलोचना, विकल्प, सम्पर्क सूत्र,

उत्सव गतिविधियाँ, व्यक्ति, –

विपणन दृष्टिकोण, विपणन मिश्र, विपणन के वैकल्पिक दृष्टिकोण, उत्पादक के रूप में व्यक्ति।

खरीददारी ि"ाक्षा और संस्कृति–

खरीददारी, ि"ाक्षा, संस्कृति वैकल्पिक दृष्टिकोण,

स्थानीय आहार का विपणन – भारत के विभिन्न व्यंजन, भोजन के विभिन्न स्थल भोजनोत्सव आदि।

आवास विपणन–

स्टार श्रेणी के होटल –

आवासीय विपणन, मांग स्तर और विपणन कार्य, चुनौतियाँ और समस्याएं ।

वैकल्पिक आवासीय व्यवस्था–

वैकल्पिक आवासीय व्यवस्था क्या है? वैकल्पिक आवासीय व्यवस्था के प्रकार, वैकल्पिक आवासीय व्यवस्था की निर्वहन क्षमता, विपणन आधार

अनुपूरक आवासीय व्यवस्था–

मॉटेल, यूथ हास्टल, टूरिस्ट कैम्प, रिटायरिंग रूप, पेइंग गेस्ट।

व्यापार मं तरल मेल– संघटक, परस्पर निर्भरता, व्यापार संबंध, संयुक्त प्रयास

परिवहन और यात्रा सेवा विपणन

एयर लाइन्स विपणन –

एयर लाइन्स बाजार को समझना, विपणन नियोजन, विपणन प्रभाव"ीलता, समय सारणी, मूल्य निर्धारण, उत्पादन का वितरण, प्रचार मित्र

पर्यटक परिवहन विपणन–

पर्यटक परिवहन बाजार, लक्ष्य बाजार, उत्पाद, : निर्माण और गुणवत्ता और संचालन नियंत्रण, सहलग्नता, संवर्धन और विक्रय।

ट्रैवेल ऐजन्सी विपणन–

ट्रेवेल एजेंसी उत्पाद, कमी"ान और छूट, संवर्धन और विक्रय प्रौधोगिकी की भूमिका,

टूर आपरेटर विपणन–

टूर आपरेटर– एक नजर, बाजार वि"लेषण, निर्णय लेने से जुड़े मुद्दे, उत्पाद निर्माण से जुड़े मुद्दे। वितरण और संवर्धन, प्रचार पुस्तिकाओं की भूमिका।

UGTS- 07/BTS – 07

बौद्ध धर्म का परिचय एवं बौद्ध धर्म के मुख्य के मुख्य तीर्थ स्थानों का वर्णन

बौद्ध धर्म एक परिचय

बौद्ध धर्म का प्रारम्भिक इतिहास–

बौद्ध धर्म का प्रारम्भिक इतिहास, संक्षेपण करें, प्रगति अभ्यास की जाँच के लिए उत्तर।

बुद्ध का जीवन –

बुद्ध जीवन , संक्षेपण करें,

सम्बोधी अवस्था–

सम्बोधि अवस्था, संक्षेपण करें

बौद्ध धर्म एवं द"र्न

बौद्ध धर्म का उदभव एवं विकास–

बौद्ध धर्म का उदभव एवं विकास, बौद्ध धर्म का विकास, बौद्ध संगीतियाँ संक्षेपण करें।

बुद्ध की ि"क्षाएं –

बुद्ध की ि"क्षाएं, पंचस्कन्धों के सिद्धान्त, अष्टांगिक मार्ग, निर्वाण, कर्म सिद्धान्त, अहिंसा, द"र्न, संक्षेपण करें।

बुद्धत्व प्राप्ति के बौद्ध मार्ग–

बुद्धत्व प्राप्ति हेतु बोधिसत्व की अवस्थायें, अर्हत, बोधिसत्व, पारमितायें, छह अभिज्ञायें भूमियाँ संक्षेपण करें।

बौद्ध धर्म एवं समाधि भावना–

बौद्ध समाधि, ब्रह्मविहार, संक्षेपण करें।

बौद्ध धर्मः रूपरूप, सम्प्रदाय एवं साहित्य

बौद्ध धर्म के सामान्य सम्प्रदाय–

वज्रमान, सहजयान, कालचक्रयान, आदि

हीनयान एवं महायान–

हीनयान, महायान, संक्षेपण करें।

बौद्ध साहित्य–

धर्मग्रन्थ संग्रह, अवदान, थेरवाद त्रिपिटक, धम्मपद, जातक, महायान
साहित्य,

बौद्ध धर्म का भारत और विदे"ाी में प्रसार

मौर्य काल में बौद्ध धर्म–

मौर्यकाल में बौद्ध धर्म,

भुंग सातवाहन काल में बौद्ध धर्म–

शुंग सातावाहन काल में बौद्ध धर्म।

कुशाण काल में बौद्ध धर्म –

गुप्त काल में बौद्ध धर्म –

हर्शकाल में बौद्ध धर्म–

हर्षवर्धन के काल में बौद्ध धर्म,

विदे"ाों में बौद्ध धर्म का विस्तार–

विदे"ाों में बौद्धधर्म का विस्तार,

बौद्ध कला

वास्तु–"ाास्त्र

स्तूप, विहार, चैत्य

मूर्तिकला–

प्रतीक, चित्रकला

रंगचित्र– रंगचित्र, निर्माण विधि, उपसंहार।

बौद्ध पूजा पद्धति–

बुद्ध पूजा, उपसंहार।

ि"ाक्षा एवं संस्कृति को बौद्ध धर्म का योगदान

भारत में बौद्ध ि"ाक्षा के केन्द्र एवं साहित्यिक विद्वान–

बौद्ध ि"ाक्षा केन्द्र एवं साहित्यिक विद्वान, संक्षेपण करें

प्रारम्भिक बौद्ध विहार–

महत्वपूर्ण बौद्ध पारिभाशिक भाब्द एवं भाब्दावलियाँ–

भारत में बौद्ध स्थल–

भारत में महत्वपूर्ण बौद्ध स्थल –

उत्तर प्रदे”ा में बौद्ध स्थल–’

भारत में बौद्ध धर्म की अवनति–

बौद्ध धर्म के पतन के कारण –

भारत में बौद्ध धर्म का पुनरूद्धार–

वर्तमान भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार–

UGTS- 08/BTS – 08

उत्तर प्रदे”ा के महत्वपूर्ण धार्मिकः स्थानों का परिचय, महत्व और वर्णन

हिन्दू, बौद्ध तथा जैन धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल

हिन्दू धर्म तथा महत्वपूर्ण धार्मिक स्थान–

हिन्दू धर्म के अन्य महत्वपूर्ण स्थल–

बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल –

जैन धर्म से सम्बन्धित स्थल –

सिख, ईसाई, और इस्लाम धर्मों के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल और लेखन

UGTS- 09/BTS – 09
पर्यटन का उद्‌भव एवं विकास

क्रसं.	अध्याय
1.	पर्यटन का उद्‌भव एवं विकास
2.	पर्यटन प्रेरण एवं स्वरूप
3.	आधारिक संरचना एवं पर्यटन विकास
4.	पर्यटन उद्योग एवं अवयव
5.	पर्यटन उद्योग एवं उसका प्रबन्ध
6.	पर्यटन का आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव
7.	पर्यटन उद्योग की समस्यायें एवं भविष्य की चुनौतियॉ
8.	पर्यटन सूचना स्रोत एवं सांख्यकी
9.	पर्यटन मार्ग द”र्शक एवं (गाइड) ट्रेवेल ऐजेन्सी एवं टूर ऑपरेटर
10.	पर्यटन संगठन
11.	पर्यटन के नये रूप

UGTS- 10/BTS – 10
(सांस्कृतिक पर्यटन)

1. **संस्कृति, समाज एवं पर्यटनः**– सांस्कृतिक पर्यटन, प्रकृति, संस्कृति एवं धर्म, राजस्थान में सांस्कृतिक पर्यटन ।

2. **राजस्थान में पर्यटनः**– पर्यटन आगमन, पर्यटन सर्किट, धार्मिक पर्यटन सर्किट, स्वर्णिम त्रिभुज, पर्यटन विकास हेतु चलायी जा रही योजनाएं, हेरीटेज होटल, पैलेस ऑन व्हील, हेरीटेज ऑन व्हील, रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स, पर्यटन विकास के संस्थान, प्राधिकरण, पर्यटन विभाग के मेले, त्योहार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, पर्यटन के नये आकर्षण ।

3. **चित्ताकर्शण पर्यटन स्थल**

4. **लोक मेले एवं पर्वः**– लोकोत्सव एवं पर्व धार्मिक मेले, आदिवासियों एवं जनजातियों के मेले, पर्यटन विभाग के मेले एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।

5. **चित्रकला एवं मूर्तिकलाः**– चित्र"ौलियाँ एवं उप"ौलियाँ शैलियों की वि"ोषताएं, मूर्तिकला, आधुनिक काल।

6. **रहन–सहन, खान–पान एवं वे"ाभूशाः**– संस्कति एवं समाज, वेषभूषा, आभूषण, खान–पान, परम्परायें एवं संस्कार, बोलियाँ एवं भाषा।

7. **लोकनाट्य, लोकानुरंजन एवं लोक साहित्य** : – लोकनाट्य, लोकानुरंजन, लोक साहित्य, राजस्थानी काव्य एवं लोकगीत, शास्त्रीय एवं लोकसंगीत, शास्त्रीय एवं लोकनृत्य, लोकनृत्य रगकर्म, कठपुतली कला, लोकोत्सव।

8. **थार संस्कृति का संवाहक ऊँटः**– राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय कैमल फेस्टीबल।
9. **राजस्थान का इतिहासः**– राजपुताना, राजस्थान और राज्य, प्रारंभिक ऐतिहासिक काल, राजपूत काल, मुगल, काल, स्वतंत्रता संग्राम और राजस्थान, आधुनिक राजस्थान का निर्माण।

10. **वन्यजीव अभयारण्य एवं पर्यवरणः**– पर्यावरण एवं वन्य जीवन, परिस्थितिकी पर्यटन समृद्ध क्षेत्र, पारिस्थितिकी पर्यटन प्रोत्साहन।

11. **धार्मिक स्थलः**– तीर्थाटन की परम्परा, प्रमुख आस्था स्थल, धार्मिक पर्यटन।

12. **संस्कृति के जीवंत गवाह**– किले, गढ, एवं दुर्ग।

13. **संग्रहालय एवं ऐतिहासिक स्मारकः**– संग्राहालयों का अतीत, राजस्थान के संगहालय, वि"ोष्ट संग्रहालय, ऐतिहासिक इमारतें व स्मारक।

14. **राजस्थान की हस्तकलाएँः**– राजाभूषण, प्रमुख राजाभूषण, हस्तकलाओं को प्रोत्साहन।

15. **लोकसंगीत एवं लोकनृत्य** :– राजस्थान का लोकसंगीत, प्रमुख लोकवाद्य, लोकनृत्य, मांड कोकिला अल्लाहजिलाई बाई।

16. **पर्यटन की संस्कृति पधारों म्हारे दे"ाः**– पर्यटन बने महत्ती आर्थिक क्रिया, सुनि"चित हो अधिकाधिक जनभागीदारी, पर्यटन नीति और अर्थव्यवस्था, विदे"ाी मुद्रा प्राप्ति का सबसे बड़ा स्रोत, स्वदे"ाी पर्यटन को दें बढ़ावा, विकास का स्थायी साधन बने, बनायें पर्यटन को जन उद्योग, पधारों म्हारे दे"ा।

UGTS/BTS – 11

हिन्दू धर्म के आध्यात्मिक केन्द्र –

1. चार धाम – पुरी रामे"वरम्, द्वारिका और बद्रीनाथ।
2. कुंभ मेला – इलाहाबाद, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन।
3. पुराणों के अनुसार प्राचीन पवित्र शहर – वाराणसी, का"ाी, इलाहाबाद–प्रयाग, हरिद्वार–ऋषिके"ा, मथुरा–वृन्दावन एवं अयोध्या।
4. वाराणसी–वि"व की सबसे प्राचीन ऐसा महानगर जो अभी भी उसी स्थल पर छठीं शताब्दी ईसा पूर्व से विद्यमान है।
5. मंदिरों के लिए प्रसिद्ध शहर – पुरी–जगन्नाथ मंदिर, रथ यात्रा
   कटरा – वैष्णों देवी मंदिर
   शि"ारडी – शि"ारडी के साईं बाबा
   सबरीमाल–स्वामी अयप्पपा

UGTS/BTS – 12

बौद्व धर्म के धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल –

1. **आठ महान स्थल** – लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ, कु"ाीनगर, श्रावस्ती, राजगिरी, संकिसा, वै"ााली।
2. **प्रमुख स्थल** – पटना, गया, कौ"ाम्बी, कपिलवस्तु, देवादाहा, के"ारिया, पावा, नालन्दा, वाराणसी, सांची, मथुरा, एलोरा, अजंता, विक्रमि"ाला, रतनागिरी, उदयागिरी, भरहुत, बराबर गुहा।
3. **बौद्ध सर्किल – उत्तर प्रदे"ा के सन्दर्भ में**
   जैन धर्म के धार्मिक आध्यात्मिक स्थल
   हस्तिनापुर, बड़ागाँव (बागपत), वाराणसी, सारनाथ, गाजियाबाद, सहारनपुर, सरधना, अहिच्छत्र, मुरादाबाद, श्रावस्ती, कौ"ाम्बी, इलाहाबाद, बटे"वर, शोरीपुर, नांदेड़, माउंटआबू।

UGTS/BTS – 13

सिख धर्म के धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल –

उत्तर प्रदे"ा, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि।
इस्लाम धर्म में धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल।
आजमेर शरीफ, निजामुद्दीन, फतेहपुर सीकरी एवं अन्य सूफी सर्किल।